Bharat Temples

मेरे मन में निर्मल गंगा

मेरे मन में निर्मल गंगा हो,
तन श्याम के रंग में रंगा हो,

सुख-दुख की कोई परवाह न हो,
नित ध्यान हो बस श्री चरणों का,
प्रभु भक्ति के प्रेम सुधा रस में,
इस दुनियां का भी ध्यान न हो,

मन प्रेम उमंग में डूबा रहे,
बंसी की धुन हो कानों में,
प्रभु राम की मूरत नैनों में,
हनुमंत लाल की सेवा हो,

सब अपने कोई पराया न हो,
जीवन में भय का साया न हो,
बस प्रभु की कृपा हो जीवन में,
नित भक्ति की शीश पे छाया हो,

-अर्द्धचंद्रधारी राम त्रिपाठी

Source: https://www.bharattemples.com/mere-man-me-nirmal-ganga/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw